आजीविका से उद्यम विकास की ओर...

गोपशु / भैंस पालन

चारा / आहार उत्पादन

भेड़ / बकरी पालन

सुअर पालन

कुक्कुट पालन

नस्ल सुधार और गुणन फार्म

कृषि-अपशिष्ट प्रबंधन

के लिए
व्यक्तियों / उद्यमियों
को व्यापक

सहायता

सत्यमेव जयते

पशुपालन और डेयरी विभाग
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
भारत सरकार

किसानों की आय को सुधारने में पशुधन और कुक्कुट क्षेत्रों की भूमिका को पहचानते हुए और कृषि के अवसरों में विविधता लाने के लिए, सरकार कई अनुकूल नीतियों के माध्यम से इन क्षेत्रों के विकास का समर्थन कर रही है।

डीएएचडी ने अपना ध्यान ‘‘आजीविका’’ से ‘‘उद्यमिता’’ पर केंद्रित करते हुए मुख्य लाभार्थी उन्मुख योजनाओं को पुनःसंरेखित किया है। निम्नलिखित योजनाओं के तहत कोई व्यक्ति, विभाग से अधिकतम लाभ प्राप्त करते हुए अपने व्यापारिक कार्यकलापों की विवेकपूर्ण योजना बना सकता है।

सत्यमेव जयते

पशुपालन और डेयरी विभाग
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
भारत सरकार

पशुपालन और डेयरी विभाग के अंतर्गत व्यक्तियों / उद्यमियों को व्यापक सहायता

गोपशु / भैंस पालन

गोपशु शेड के निर्माण, उपकरणों, उत्कृष्ट बुल मदर की खरीद आदि के लिए।

1 राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत नस्ल वृद्धि फार्मों की स्थापना के लिए उद्यमिता मॉडल

इसे कैसे प्राप्त करें ?

उद्यमी दिशानिर्देशानुसार बैंक को स्वीकार्य प्रस्ताव तैयार करेंगे और एनडीडीबी द्वारा जारी रुचि की अभिव्यक्ति के प्रत्युत्तर में सीधे एनडीडीबी को प्रस्तुत करेंगे। परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में एनडीडीबी द्वारा परियोजना लागू की जायेगी।

आपको किसकी आवश्यकता है ?

- या तो प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या प्रशिक्षित विशेषज्ञ हों या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के प्रासंगिक क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव हो या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव वाले तकनीकी विशेषज्ञ हों।
- बैंक या वित्तीय संस्थाओं द्वारा परियोजना के लिए ऋण संस्वीकृत हो गया हो, और जिस बैंक में उसका खाता हो उसे बैंक द्वारा इसकी वैधता के लिए परियोजना के मूल्यांकन के साथ अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई हो।
- उद्यमियों / पात्र संस्थाओं के पास अपनी जमीन या पट्टे की जमीन होनी चाहिए जहां परियोजना की स्थापना की जाएगी।
- उद्यमियों / योग्य संस्थाओं के पास केवाईसी के लिए सभी प्रासंगिक दस्तावेज होने चाहिए।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

नस्ल वृद्धि फार्म के लिए 50 प्रतिशत पूंजीगत व्यय सब्सिडी 2 करोड़ रु. तक।

2 उन्नत प्रजनन प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने के लिए सहायता – 3 योजनाएं

2.1 **कृत्रिम गर्भाधान (एआई) :** राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम – किसानों के द्वार पर निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण एआई सेवाएं प्रदान करता है।

2.2 **त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम : आईवीएफ प्रौद्योगिकी का उपयोग करके** – पारंपरिक पद्धति में 7 पीढ़ियों के मुकाबले एक पीढ़ी में पशुओं की आनुवंशिक संरचना बदलकर उत्पादकता बढ़ाने के लिए।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

5000 रु. प्रति गर्भधारण की दर से किसानों के लिए सब्सिडी उपलब्ध है।

2.3 **त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम : सॉर्टेड सीमेन का उपयोग करके –** 90 प्रतिशत सटीकता के साथ बछियों का उत्पादन।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

प्रति सुनिश्चित गर्भाधान पर 750 रु. की दर से सब्सिडी।

चारा / आहार उत्पादन

चारे के मूल्यवर्धन की सुविधाओं की स्थापना के लिए जैसे हे / साइलेज / कुल मिश्रित राशन (टीएमआर) / चारा ब्लॉक और चारे का भंडारण, ग्राम स्तर पर हे / साइलेज से संबंधित अवसंरचना विकास / बेलर, ब्लॉक बनाने की मशीन, टीएमआर मशीन जैसी मशीनरी की खरीद के लिए तथा चारा ब्लॉक बनाने वाली इकाईयों के लिए उपकरण जैसे चारा हार्वेस्टर / रीपर, हैवी ड्यूटी विद्युत संचालित चाफ कटर और कोई भी अन्य पीएचटी उपकरण की खरीद के लिए।

आहार एवं चारा क्षेत्र में उद्यमिता कार्यकलाप

इसे कैसे प्राप्त करें ?

(क) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी रूचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से उद्यमियों / पात्र संस्थाओं को आमंत्रित करेगी।

(ख) उद्यमी / पात्र संस्थाएं रूचि की अभिव्यक्ति के प्रत्युत्तर में एनएलएम पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करेंगी।

(ग) सब्सिडी की संपूर्ण राशि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के माध्यम से संवितरित की जायेगी। सब्सिडी, लाभार्थियों के खाते के लिए सिडबी द्वारा प्रमुख अनुसूचित बैंकों या वित्तीय संस्थाओं को प्रदान की जायेगी।

(घ) स्व-निधियन मोड में उद्यमिता परियोजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक लाभार्थियों को सहायता के लिए मांगी गई पूंजीगत सब्सिडी के अलावा परियोजना की शेष लागत के लिए अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

आपको किसकी आवश्यकता है ?

क. या तो प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या प्रशिक्षित विशेषज्ञ हों या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के प्रासंगिक क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव हो या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव वाले तकनीकी विशेषज्ञ हों।

ख. बैंक या वित्तीय संस्थाओं द्वारा परियोजना के लिए ऋण संस्वीकृत हो गया हो, और जिस बैंक में उसका खाता हो उसे बैंक द्वारा इसकी वैधता के लिए परियोजना के मूल्यांकन के साथ अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई हो।

ग. उद्यमियों / पात्र संस्थाओं के पास अपनी जमीन या पट्टे की जमीन होनी चाहिए जहां परियोजना की स्थापना की जाएगी।

घ. उद्यमियों / योग्य संस्थाओं के पास केवाईसी के लिए सभी प्रासंगिक दस्तावेज होने चाहिए।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

दो समान किस्तों में 50 लाख रू. तक की 50 प्रतिशत पूंजीगत व्यय सब्सिडी प्रदान की जायेगी।

भेड़ / बकरी पालन

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत, न्यूनतम 500 मादाओं और 25 नर के साथ भेड़ और बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना के लिए।

इसे कैसे प्राप्त करें ?

(क) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी रुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से उद्यमियों / पात्र संस्थाओं को आमंत्रित करेगी।

(ख) उद्यमी / पात्र संस्थाएं रुचि की अभिव्यक्ति के प्रत्युत्तर में एनएलएम पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करेंगी।

(ग) सब्सिडी की संपूर्ण राशि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के माध्यम से संवितरित की जायेगी। सब्सिडी, लाभार्थियों के खाते के लिए सिडबी द्वारा प्रमुख अनुसूचित बैंकों या वित्तीय संस्थाओं को प्रदान की जायेगी।

(घ) स्व-निधियन मोड में उद्यमिता परियोजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक लाभार्थियों को सहायता के लिए मांगी गई पूंजीगत सब्सिडी के अलावा परियोजना की शेष लागत के लिए अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

आपको किसकी आवश्यकता है ?

- या तो प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या प्रशिक्षित विशेषज्ञ हों या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के प्रासंगिक क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव हो या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव वाले तकनीकी विशेषज्ञ हों।
- बैंक या वित्तीय संस्थाओं द्वारा परियोजना के लिए ऋण संस्वीकृत हो गया हो, और जिस बैंक में उसका खाता हो उसे बैंक द्वारा इसकी वैधता के लिए परियोजना के मूल्यांकन के साथ अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई हो।
- उद्यमियों / पात्र संस्थाओं के पास अपनी जमीन या पट्टे की जमीन होनी चाहिए जहां परियोजना की स्थापना की जाएगी।
- उद्यमियों / योग्य संस्थाओं के पास केवाईसी के लिए सभी प्रासंगिक दस्तावेज होने चाहिए।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

सिडबी के माध्यम से दो समान किस्तों में सीधे लाभार्थी के खाते में 50 लाख रु. की सीमा तक 50 प्रतिशत सब्सिडी।

सुअर पालन

केंद्र या राज्य सरकार / विश्वविद्यालय फार्म या स्थानीय किसानों से उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाली न्यूनतम 100 शूकरियों और 10 सुअर प्रजनन पशुओं के साथ प्रजनक फार्म की स्थापना के लिए।

इसे कैसे प्राप्त करें ?

(क) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी रूचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से उद्यमियों / पात्र संस्थाओं को आमंत्रित करेगी।

(ख) उद्यमी / पात्र संस्थाएं रूचि की अभिव्यक्ति के प्रत्युत्तर में एनएलएम पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करेंगी।

(ग) सब्सिडी की संपूर्ण राशि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के माध्यम से संवितरित की जायेगी। सब्सिडी, लाभार्थियों के खाते के लिए सिडबी द्वारा प्रमुख अनुसूचित बैंकों या वित्तीय संस्थाओं को प्रदान की जायेगी।

(घ) स्व-निधियन मोड में उद्यमिता परियोजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक लाभार्थियों को सहायता के लिए मांगी गई पूंजीगत सब्सिडी के अलावा परियोजना की शेष लागत के लिए अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

आपको किसकी आवश्यकता है ?

- या तो प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या प्रशिक्षित विशेषज्ञ हों या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के प्रासंगिक क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव हो या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव वाले तकनीकी विशेषज्ञ हों।
- बैंक या वित्तीय संस्थाओं द्वारा परियोजना के लिए ऋण संस्वीकृत हो गया हो, और जिस बैंक में उसका खाता हो उसे बैंक द्वारा इसकी वैधता के लिए परियोजना के मूल्यांकन के साथ अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई हो।
- उद्यमियों / पात्र संस्थाओं के पास अपनी जमीन या पट्टे की जमीन होनी चाहिए जहां परियोजना की स्थापना की जाएगी।
- उद्यमियों / योग्य संस्थाओं के पास केवाईसी के लिए सभी प्रासंगिक दस्तावेज होने चाहिए।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

सिडबी के माध्यम से दो समान किस्तों में सीधे लाभार्थी के खाते में 30 लाख रु. की सीमा तक 50 प्रतिशत सब्सिडी।

कुक्कुट पालन

हैचिंग अंडों और चूजों के उत्पादन और उक्त चूजों को मुख्य इकाई (मदर यूनिट) (न्यूनतम 1000 पेरेंट लेयर के साथ) में चार सप्ताह तक पालने के लिए पेरेंट फार्म, ग्रामीण हैचरी, ब्रूडर-सह-मदर यूनिट की स्थापना के लिए।

इसे कैसे प्राप्त करें ?

(क) राज्य कार्यान्वयन एजेंसी रूचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से उद्यमियों / पात्र संस्थाओं को आमंत्रित करेगी।

(ख) उद्यमी / पात्र संस्थाएं रूचि की अभिव्यक्ति के प्रत्युत्तर में एनएलएम पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करेंगी।

(ग) सब्सिडी की संपूर्ण राशि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के माध्यम से संवितरित की जायेगी। सब्सिडी, लाभार्थियों के खाते के लिए सिडबी द्वारा प्रमुख अनुसूचित बैंकों या वित्तीय संस्थाओं को प्रदान की जायेगी।

(घ) स्व-निधियन मोड में उद्यमिता परियोजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक लाभार्थियों को सहायता के लिए मांगी गई पूंजीगत सब्सिडी के अलावा परियोजना की शेष लागत के लिए अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

आपको किसकी आवश्यकता है ?

- या तो प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या प्रशिक्षित विशेषज्ञ हों या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के प्रासंगिक क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव हो या परियोजना के प्रबंधन और संचालन के संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव वाले तकनीकी विशेषज्ञ हों।
- बैंक या वित्तीय संस्थाओं द्वारा परियोजना के लिए ऋण संस्वीकृत हो गया हो, और जिस बैंक में उसका खाता हो उसे बैंक द्वारा इसकी वैधता के लिए परियोजना के मूल्यांकन के साथ अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई हो।
- उद्यमियों / पात्र संस्थाओं के पास अपनी जमीन या पट्टे की जमीन होनी चाहिए जहां परियोजना की स्थापना की जाएगी।
- उद्यमियों / योग्य संस्थाओं के पास केवाईसी के लिए सभी प्रासंगिक दस्तावेज होने चाहिए।

आपको क्या सहायता मिलेगी ?

सिडबी के माध्यम से दो समान किस्तों में सीधे लाभार्थी के खाते में 25 लाख रु. की सीमा तक 50 प्रतिशत सब्सिडी।

ऋण के साथ ब्याज सहायता की उपलब्धता के लिए सहायता

पशुपालन अवसरंचना विकास निधि*

शामिल कार्यकलाप

- डेयरी प्रसंस्करण और मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों का विनिर्माण
- मांस प्रसंस्करण और इसके मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने की सुविधाएं
- पशु आहार संयंत्र
- नस्ल सुधार, प्रौद्योगिकी और नस्ल वृद्धि फार्म
- पशु चिकित्सा टीके और औषधि उत्पादन सुविधाओं की स्थापना
- पशु अपशिष्ट से संपत्ति प्रबंधन (कृषि अपशिष्ट प्रबंधन)

पात्र संस्थाएँ

व्यक्तिगत उद्यमी, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), धारा 8 कंपनियां, निजी कंपनियां

निधियन

- अनुमानित / वास्तविक परियोजना लागत का 90% तक का ऋण
- ब्याज सहायता - सभी पात्र संस्थाओं के लिए 3%
- क्रेडिट गारंटी निधिः 750 करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी निधि नाबार्ड द्वारा प्रबंधित की जाएगी, एमएसएमई के लिए 25% तक की क्रेडिट सुविधा
- ऋण राशि पर कोई सीमा नहीं।
- अधिकतम भुगतान अवधिः 8 वर्ष, मूल राशि पर 2 वर्ष की आस्थगन अवधि सहित
- व्यापार सुगमताः ऑनलाइन पोर्टल ahidf.udyamimitra.in के माध्यम से आवेदन

*** एएचआईडीएफ के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र कार्यकलाप संलग्न हैं**

व्यक्तिगत किसान / उद्यमी के लिए डीएएचडी द्वारा डेयरी मूल्य श्रृंखला हेतु विभिन्न योजनाओं का समुच्चय

दुग्ध उत्पादन के लिए गोपशु / भैंस फार्म की स्थापना हेतु लाभदायी योजनाएं

200 पशुओं वाला फार्म स्थापित करने की विशिष्ट लागत लगभग 4 करोड़ रुपये है। एफपीओ / सहकारिताओं, एसएचजी और व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए विभिन्न योजनाएं उपलब्ध हैं जिनका लाभ उठाया जा सकता है।

नस्ल वृद्धि फार्म स्थापित करने की दिशा में राष्ट्रीय गोकुल मिशन और एएचआईडीएफ की योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

जबकि राष्ट्रीय गोकुल मिशन परियोजना लागत के 50% तक कैपेक्स सब्सिडी की अनुमति देता है, एएचआईडीएफ 3% तक ब्याज सहायता प्रदान करता है।

इस प्रकार, 4 करोड़ रुपये की प्रारंभिक परियोजना लागत राष्ट्रीय गोकुल मिशन का लाभ उठाते हुए 2 करोड़ रुपये हो जाती है, निवेशक शेष परियोजना लागत पर ऋण ले सकता है तथा शेष राशि पर 3% ब्याज सहायता प्राप्त कर सकता है।

यदि आपके पास भूमि है, तो आहार लागत कम करने और चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत चारा उद्यमिता योजना का लाभ उठाकर आहार संयंत्र या चारा कृषि शुरू करें।

सब्सिडी प्रदान करने वाली राज्य एएचडी योजनाओं का उपयोग करके सभी पशुओं का बीमा किया जाएगा।

फार्म कार्यकलाप	योजनाओं का समुच्चय
गोपशु / भैंस पालन	**राष्ट्रीय गोकुल मिशन** – बीएमएफ, आईवीएफ / एआई / एसएसटी
	राष्ट्रीय पशुधन मिशन – आहार और चारा में उद्यमिता विकास (व्यक्तिगत उद्यमी, एसएचजी, एफसीओ, जेएलजी, एफपीओ, सहकारी समितियां, धारा 8 कंपनियां)
	एएचआईडीएफ (एफपीओ, एसएचजी, निजी कंपनियां, व्यक्तिगत उद्यमी, धारा 8 कंपनियां, एमएसएमई)
	एनएलएम-पशुधन बीमा के तहत पशुओं के लिए बीमा (राज्य सरकार के माध्यम से)

दूध / मांस उत्पादन के लिए भेड़ / बकरी फार्म की स्थापना के लिए लाभदायी योजनाएँ

500 पशुओं वाला फार्म स्थापित करने की विशिष्ट लागत लगभग 1 करोड़ रुपये है। एफपीओ / सहकारिताओं, एसएचजी और व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए विभिन्न योजनाएं उपलब्ध हैं जिनका लाभ उठाया जा सकता है।

बकरी या भेड़ फार्म स्थापित करने के लिए एनएलएम और एएचआईडीएफ की योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

जबकि एनएलएम, परियोजना लागत के 50% तक कैपेक्स सब्सिडी की अनुमति देता है, एएचआईडीएफ 3% तक ब्याज सहायता प्रदान करता है।

इस प्रकार, 1 करोड़ रुपये की प्रारंभिक परियोजना लागत, एनएलएम का लाभ उठाते हुए 50 लाख रुपये की हो जाती है, निवेशक शेष परियोजना लागत पर ऋण ले सकता है और शेष राशि पर 3% ब्याज सहायता प्राप्त कर सकता है।

यदि आपके पास भूमि है, तो आहार लागत कम करने और चारे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत चारा उद्यमिता योजना का लाभ उठाकर आहार संयंत्र या चारा कृषि शुरू करें।

सब्सिडी प्रदान करने वाली राज्य एएचडी योजनाओं का उपयोग करके सभी पशुओं का बीमा किया जाएगा ।

फार्म कार्यकलाप	योजनाओं का समुच्चय
भेड़ / बकरी पालन मूल्यवर्धन / प्रसंस्करण	**राष्ट्रीय पशुधन मिशन -** भेड़ / बकरी से संबद्ध उद्यमिता विकास
	राष्ट्रीय पशुधन मिशन - आहार और चारा में उद्यमिता एसएचजी, एफसीओ विकास (व्यक्तिगत उद्यमी, जेएलजी, एफपीओ, सहकारी समितियां, धारा 8 कंपनियां)
	एएचआईडीएफ (एफपीओ, एसएचजी, निजी कंपनियां, व्यक्तिगत उद्यमी, धारा 8 कंपनियां, एमएसएमई)
	एनएलएम - पशुधन बीमा के तहत पशुओं के लिए बीमा (राज्य सरकार के माध्यम से)

मांस उत्पादन के लिए सुअर फार्म की स्थापना हेतु लाभदायी योजनाएँ

100 शूकरियों और 10 सुअर वाली सुअरपालन इकाइयों की स्थापना की विशिष्ट लागत लगभग 60 लाख रुपये है। एफपीओ / सहकारिताओं, एसएचजी और व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए विभिन्न योजनाएं उपलब्ध हैं जिनका लाभ उठाया जा सकता है।

सुअर फार्म स्थापित करने की दिशा में, एनएलएम और एएचआईडीएफ की योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

जबकि एनएलएम परियोजना लागत के 50% तक कैपेक्स सब्सिडी की अनुमति देता है, एएचआईडीएफ 3% तक ब्याज सहायता प्रदान करता है।

इस प्रकार, 60 लाख रुपये की प्रारंभिक परियोजना की लागत एनएलएम का लाभ उठा कर 30 लाख रुपये हो जाती है, निवेशक शेष परियोजना लागत पर ऋण ले सकता है और शेष राशि पर 3% ब्याज सहायता प्राप्त कर सकता है।

सब्सिडी प्रदान करने वाली राज्य एएचडी योजनाओं का उपयोग करके सभी पशुओं का बीमा किया जाएगा ।

फार्म कार्यकलाप	योजनाओं का समुच्चय
सुअरपालन / मूल्यवर्धन / प्रसंस्करण	**राष्ट्रीय पशुधन मिशन** – सुअर से संबद्ध उद्यमिता विकास
	एएचआईडीएफ (एफपीओ, एसएचजी, निजी कंपनियां, व्यक्तिगत उद्यमी, धारा 8 कंपनियां, एमएसएमई)
	एनएलएम – पशुधन बीमा के तहत पशुओं के लिए बीमा (राज्य सरकार के माध्यम से)

मांस / अंडे उत्पादन के लिए कुक्कुट फार्म की स्थापना हेतु लाभदायी योजनाएँ

हैचिंग अंडे और चूजों के उत्पादन के लिए मूल फार्म, ग्रामीण हैचरी, ब्रूडर सह मदर यूनिट की स्थापना और मुख्य यूनिट (न्यूनतम 1000 पेरेंट लेयर के साथ) में चार सप्ताह तक उक्त चूजे के पालन-पोषण की विशिष्ट लागत लगभग 50 लाख रुपये है।

मुख्य (मदर) पोल्ट्री फार्म की स्थापना के लिए एनएलएम और एएचआईडीएफ की योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

जबकि एनएलएम, परियोजना लागत के 50% तक कैपेक्स सब्सिडी की अनुमति देता है, एएचआईडीएफ 3% तक ब्याज सहायता प्रदान करता है।

इस प्रकार, 50 लाख रुपये की प्रारंभिक परियोजना लागत एनएलएम का लाभ उठाते हुए 25 लाख रुपये हो जाती है, निवेशक शेष परियोजना लागत पर ऋण ले सकता है और शेष राशि पर 3% ब्याज सहायता प्राप्त कर सकता है।

फार्म कार्यकलाप	**योजनाओं का समुच्चय**
कुक्कुटपालन / मूल्यवर्धन / प्रसंस्करण	**राष्ट्रीय पशुधन मिशन- कुक्कुट से संबद्ध उद्यमिता विकास**
	एएचआईडीएफ (एफपीओ, एसएचजी, निजी कंपनियां, व्यक्तिगत उद्यमी, धारा 8 कंपनियां, एमएसएमई)

आहार / चारा उत्पादन की स्थापना के लिए लाभदायी योजनाएँ

चारा मूल्यवर्धन की स्थापना जैसे हे / साइलेज / कुल मिश्रित राशन (टीएमआर) / चारा ब्लॉक और चारे का भंडारण, ग्राम स्तर पर हे / साइलेज से संबंधित अवसंरचना विकास / बेलर, ब्लॉक बनाने की मशीन, टीएमआर मशीन जैसी मशीनरी की खरीद के लिए चारा ब्लॉक बनाने वाली इकाइयां / उपकरण, चारा हार्वेस्टर / रीपर, हैवी ड्यूटी विद्युत संचालित चाफ कटर और कोई भी अन्य पीएचटी उपकरण के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये की विशिष्ट लागत ।

आहार या चारा फार्म की स्थापना के लिए एनएलएम और एएचआईडीएफ की योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

जबकि एनएलएम परियोजना लागत के 50% तक कैपेक्स सब्सिडी की अनुमति देता है, एएचआईडीएफ 3% तक ब्याज सहायता प्रदान करता है।

इस प्रकार, एनएलएम का लाभ उठाते हुए 1 करोड़ रुपये की प्रारंभिक परियोजना लागत 50 लाख रुपये हो जाती है, निवेशक शेष परियोजना लागत पर ऋण ले सकता है और शेष राशि पर 3% ब्याज सहायता प्राप्त कर सकता है।

फार्म कार्यकलाप	योजनाओं का समुच्चय
पशु आहार और चारा विकास	**राष्ट्रीय पशुधन मिशन-** पशु आहार और चारा में उद्यमिता (व्यक्तिगत उद्यमी, एसएचजी, एफसीओ, जेएलजी, एफपीओ, सहकारिता, धारा 8 कंपनियां)
	एएचआईडीएफ (एफपीओ, एसएचजी, निजी कंपनियां, व्यक्तिगत उद्यमी, धारा 8 कंपनियां, एमएसएमई)

परियोजनाओं का संयोजन

पात्र संस्थाएं केंद्र और राज्य सरकारों की ऐसी ही विभिन्न अन्य समान योजनाओं के तहत उपलब्ध सहायता को मिला सकती हैं। इस तरह की सहायता का संयोजन करते समय, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परियोजना के एक ही घटक / कार्यकलाप के लिए सहायता का दोहराव नहीं हो रहा है अर्थात पात्र संस्था यदि एएचआईडीएफ के तहत पहले से ही ब्याज सहायता प्राप्त कर रही है तो वह केंद्र / राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के तहत ब्याज सहायता का लाभ नहीं उठा सकती है।

अन्य विभाग / मंत्रालय की योजनाओं का संयोजन करते हुए अधिकतम लाभ प्राप्त करने के अवसर

किसानों की आय में सुधार करने और गैर-कृषि अवसरों में विविधता लाने में डेयरी, पशुधन और पोल्ट्री क्षेत्रों की भूमिका को स्वीकार करते हुए, सरकार कई अनुकूल नीतियों के माध्यम से इस क्षेत्र के विकास का समर्थन कर रही है। विभिन्न विभागों और मंत्रालयों के तहत सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं,

★ पशुपालन और डेयरी विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

★ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

★ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

दुग्ध प्रशीतन इकाई की स्थापना के लिए लाभदायी योजनाएँ

2,000 एलपीडी प्रशीतन इकाई स्थापित करने की विशिष्ट लागत लगभग 10-11 लाख रुपये है।

- एफपीओ, सहकारिताओं और स्वयं सहायता समूहों के लिए, एनपीडीडी और एएचआईडीएफ की योजनाओं का उपयोग एक प्रशीतन इकाई की स्थापना के लिए किया जा सकता है। एएचआईडीएफ 3% तक की ब्याज सहायता प्रदान करता है, जबकि एनपीडीडी 60% तक की कैपेक्स सब्सिडी प्रदान करता है।
- लघु उद्यमों के लिए, क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी कंपोनेंट और एएचआईडीएफ की योजनाओं का उपयोग एक प्रशीतन की स्थापना के लिए किया जा सकता है। एएचआईडीएफ 3% तक ब्याज सहायता प्रदान करता है, जबकि क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी घटक 15 लाख तक 15% की कैपेक्स सब्सिडी प्रदान करता है ।
- एमएसएमई और व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए, पीएमएफएमई और एएचआईडीएफ की योजनाओं का उपयोग एक प्रशीतन इकाई स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। चूँकि पीएमएफएमई 10 लाख तक 35% कैपेक्स सब्सिडी प्रदान करता है, निवेशक शेष राशि के लिए 3% तक एएचआईडीएफ ब्याज सहायता का लाभ उठा सकता है।

डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने के लिए लाभदायी योजनाएँ

3 एलएलपीडी संयंत्र स्थापित करने की विशिष्ट लागत लगभग 80-85 करोड़ रुपये है। कैपेक्स आवश्यकताओं को देखते हुए, इसे यहां सूक्ष्म उद्यमों / एसएचजी के लिए नहीं माना जाता है।

एफपीओ / सहकारिताएं, मध्यम उद्यम और व्यक्तिगत उद्यमी अधिकतम लाभ और इष्टतम समर्थन के लिए संपदा योजना और एएचआईडीएफ दोनों का लाभ उठा सकते हैं।

संपदा योजना 10 करोड़ रुपये तक 50% की कैपेक्स सब्सिडी प्रदान करती है। इस प्रकार परियोजना लागत 70-75 करोड़ रुपये तक कम हो गई है। निवेशक शेष राशि पर एएचआईडीएफ के तहत 3% ब्याज सहायता का लाभ उठा सकता है।

लाभदायी योजना समुच्चयों का स्नैपशॉट

लाभार्थी	डेयरी फार्म	संग्रहण और प्रशीतन	प्रसंस्करण
किसान उत्पादक संगठन और मध्यम उद्यम[1]	**राष्ट्रीय गोकुल मिशन** (2 करोड़ रु. तक 50% कैपेक्स सब्सिडी) + **एएचआईडीएफ** (3% तक ब्याज सहायता)	**एनपीडीडी** (60% तक पूंजीगत सहायता) + **एएचआईडीएफ** (3% तक ब्याज सहायता)	**संपदा योजना** (10 करोड़ रुपये की 50% सहायता अनुदान सबसिडी) + **एएचआईडीएफ** (3% तक ब्याज सहायता)
लघु उद्यम[1]	**पशु आहार और चारा में उद्यमिता**[2] (50% कैपेक्स सब्सिडी 50 लाख रु. तक) + **एएचआईडीएफ** (3% तक ब्याज सहायता)	**क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी घटक** (15% कैपेक्स सब्सिडी, 15 लाख रु. तक) + **एएचआईडीएफ** (3% तक ब्याज सहायता)	–
सूक्ष्म उद्यम और स्वयं-सहायता समूह[1]	–	**पीएमएफएमई** (35% कैपेक्स सब्सिडी 10 लाख रुपये तक) + **एएचआईडीएफ** (3% तक ब्याज सहायता)	–

नोटः

1. सूक्ष्म उद्यम वे हैं जिनका वार्षिक राजस्व <5 करोड़ रु. है; छोटे उद्यम वे हैं जिनका राजस्व 5 से 50 करोड़ रु. के बीच है; और मध्यम उद्यम वे हैं जिनका राजस्व 50 से 250 करोड़ रु. के बीच है;
2. एनएलएम के तहत यह उप मिशन, एफपीओ और मध्यम उद्यमों के लिए भी तैयार किया गया है और उनके द्वारा इसका उपयोग किया जा सकता है; चारा संयंत्रों और प्रसंस्करण संयंत्रों में आम तौर पर बड़े पूंजीगत व्यय की आवश्यकता होती है और इसलिए सूक्ष्म उद्यमों / एसएचजी के लिए उन पर यहां विचार नहीं किया जाता है।

एएचआईडीएफ के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र कार्यकलाप

1. **डेयरी प्रसंस्करण** : डेयरी प्रसंस्करण अवसंरचना के तहत पात्र इकाई / संस्था (ईई) निम्नलिखित की स्थापना के लिए लाभ उठा सकता है:

1.1. नई इकाइयों की स्थापना और गुणवत्तापूर्ण तथा स्वच्छ दूध प्रसंस्करण सुविधाओं, पैकेजिंग सुविधाओं के साथ मौजूदा डेयरी प्रसंस्करण इकाइयों का सुदृढ़ीकरण या डेयरी प्रसंस्करण से संबंधित अन्य कार्यकलाप।

1.2. **मूल्य वर्धित डेयरी उत्पाद निर्माण** : ईई निम्नलिखित दूध उत्पादों के मूल्यवर्धन के लिए नई इकाइयों की स्थापना और मौजूदा विनिर्माण इकाइयों के सुदृढ़ीकरण के लिए भी ऋण प्राप्त कर सकता है :

i) आइसक्रीम इकाई

ii) पनीर विनिर्माण इकाई

iii) टेट्रा पैकेजिंग सुविधाओं के साथ अल्ट्रा हाई टेम्परेचर (यूएचटी) दूध प्रसंस्करण इकाई

iv) फ्लेवर्ड मिल्क विनिर्माण इकाई

v) दूध पाउडर विनिर्माण इकाई

vi) मट्ठा पाउडर विनिर्माण इकाई

vii) कोई अन्य दुग्ध उत्पाद और मूल्यवर्धन विनिर्माण इकाई।

viii) गुणवत्ता परीक्षण, मिलावट और संदूषक की जांच सहित डेयरी प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के लिए आवश्यक किसी भी उपकरण और मशीनरी का निर्माण

2. **मांस प्रसंस्करण और सुविधाओं का मूल्यवर्धनः**

2.1. ग्रामीण, अर्ध–शहरी और शहरी क्षेत्रों में भेड़ / बकरी / मुर्गी / सुअर / भैंस के लिए नई मांस प्रसंस्करण इकाई की स्थापना और मौजूदा मांस प्रसंस्करण सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।

2.2. बड़े पैमाने पर एकीकृत मांस प्रसंस्करण सुविधाएं / संयंत्र / इकाई।

2.3. मूल्य वर्धित उत्पाद : मांस उत्पादों जैसे सॉसेज, नगेट्स, हैम, सलामी, बेकन, या किसी अन्य मांस उत्पाद के लिए नए मूल्यवर्धन सुविधाओं की स्थापना या मौजूदा का सुदृढ़ीकरण। ये सुविधाएं या तो मांस प्रसंस्करण इकाइयों का एक अभिन्न अंग हो सकती हैं या एक स्टैंडअलोन मांस मूल्यवर्धन इकाई हो सकती है।

2.4. प्रत्येक मांस प्रसंस्करण संयंत्र की परियोजना लागत में अनिवार्य रूप से एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी), मीट माइक्रोबायोलॉजिकल टेस्टिंग लैबोरेटरी, अवशेष परीक्षण प्रयोगशाला, ऑफल रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज, स्किन / हाइड प्रसंस्करण क्षेत्र और उत्पादों और मूल्य वर्धित उत्पादों को कम से कम 24 घंटे के लिए रखने तथा उनके संरक्षण और प्रशीतन की सुविधाएं शामिल होनी चाहिए।

3. **पशु आहार बनाने वाली इकाईयों की स्थापना तथा निम्नलिखित प्रकार की मौजूदा इकाईयों / संयंत्रों का सुदृढ़ीकरण**

3.1 लघु, मध्यम और वृहत पशु चारा संयंत्र की स्थापना

3.2 कुल मिश्रित राशन ब्लॉक बनाने की इकाई

3.3 बाईपास प्रोटीन इकाई

3.4 खनिज मिश्रण इकाई

3.5 संपुष्ट साइलेज बनाने की इकाई

3.6 पशु चारा परीक्षण प्रयोगशाला को मध्यम से वृहत चारा संयंत्र के साथ संबंद्ध करना या गुणवत्ता युक्त चारा सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा चारा संयंत्र में पशु चारा परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए ईई लाभ ले सकते हैं।

3.7 पशु आहार श्रेणी में आहार संपूरकों, आहार प्रीमेक्सेज और खनिज मिश्रण संयंत्रों का विनिर्माण

4. नस्ल सुधार प्रोद्योगिकी और नस्ल वृद्धि फार्म

इस श्रेणी के अंतर्गत, एएचआईडीएफ के तहत लाभ लेने के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप शामिल किए जाएंगें

4.1 गोपशु / भैंस

1) आईवीएफ केंद्र की स्थापना – तेजी से आनुवंशिक उन्नयन हेतु

(i) किसानों के द्वारा रखे जाने वाले कम उत्पादन प्राप्तकर्ताओं में सुनिश्चित गर्भाधान प्राप्त करना

(ii) उच्च उत्पादकता वाली हीफर / गाय की आपूर्ति

(iii) वीर्य उत्पादन के लिए सांड

निम्न हेतु एएचआईडीएफ के तहत निधियन उपलब्ध कराया जा सकता है :

क) सिविल कार्य प्रयोगशाला / प्राप्तकर्ता शेड / डोनर शेड और गोपशु शूट (Chute) बायोगैस संयंत्र सहित अन्य सिविल कार्य

ख) प्रयोगशाला उपकरण / कृषि उपकरण, अन्य मद और आईवीएफ प्रयोगशालाओं की फर्निशिंग

ग) डोनर पशुओं / प्राप्तकर्ताओं की खरीद / परिवहन और बीमा की लागत

घ) आईवीएफ तकनीक में पेशेवरों का प्रशिक्षण

ङ) किसानों के द्वार तक बोवाइन भ्रूणों के हस्तांतरण के लिए अवसंरचना की स्थापना

च) पूरी तरह से उपकरण युक्त मोबाइल आईवीएफ लैब / आईवीएफ तकनीशियनों की आवाजाही के अन्य साधन

छ) गैस और तरल नाइट्रोजन के लिए भंडारण

ज) शोध और विकास कार्यकलाप–भ्रूण सेक्सिंग, भ्रूण स्प्लिटिंग, क्लोनिंग आदि

2) सेक्स सॉर्टेड वीर्य : निम्न के लिए एएचआईडीएफ के तहत निधियन उपलब्ध कराया जा सकता है:

- क) प्रयोगशाला / सांड शेड / चार दीवारी / जैव सुरक्षा बाड़ के लिए सिविल कार्य / बायोगैस संयंत्र सहित अन्य सिविल कार्य
- ख) प्रयोगशाला उपकरण / क्रायो कंटेनरों सहित कृषि उपकरण / एलएन भंडारण अवसंरचना / कृषि / कृषि संबंधी औजार / अन्य आवश्यकताएं
- ग) सांडों की खरीद / और अन्य आवश्यकताएं
- घ) शोध और विकास कार्यकलाप– सेक्स सॉर्टिंग मशीनों का विकास
- ङ) सेक्स सॉर्टेड मशीनों और विभिन्न उपभोज्य सामग्री का विनिर्माण
- च) जनशक्ति का प्रशिक्षण

सेक्स सॉर्टेड वीर्य के साथ कृत्रिम गर्भाधान के लिए अवसंरचना तैयार करना।

प्रतिवर्ष 5 लाख सेक्स सॉर्टेड सीमन डोज का उत्पादन न्यूनतम मानदंड हो।

3) **नस्ल वृद्धि फार्म– एएचआईडीएफ के तहत निम्न के लिए निधियन प्रदान किया जाएगा**

- क) सिविल कार्य– गोपशु शेड / आहार और चारा गोदाम / आंतरिक सड़कें / चारादीवारी / जैव सुरक्षा बाड़ / प्रशिक्षण केंद्र / बायोगैस संयंत्र सहित अन्य सिविल कार्य
- ख) कृषि उपकरण– टैक्टर / बाइलर्स साइलेज मेकिंग मशीन / चारा कटर / अन्य कृषि उपकरण
- ग) परिवहन और बीमा लागत के साथ प्रजनन करने वाले पशुओं की खरीद
- घ) सेक्स सॉर्टेड वीर्य / भ्रूण / आईवीएफ प्रयोगशाला लगाना
- ङ) दूध भंडारण / परीक्षण / प्रसंस्करण उपकरण
- च) जनशक्ति का प्रशिक्षण
- छ) परियोजना के प्रथम वर्ष के लिए पशुओं के आहार की लागत
- ज) प्रजनन कार्यकलापों के लिए शोध और विकास– बोवाईन निगरानी तंत्र, एआई गन्स, ईटी गन्स, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आदि

4.2 भेड़ / बकरी

क) प्रौद्योगिकी उन्नयन के साथ भेड़ और बकरी प्रजनन फार्म (परम्परागत फार्मिंग सिस्टम नहीं)

ख) बकरी हिमित वीर्य स्टेशन

ग) भेड़ वीर्य स्टेशन और कृत्रिम गर्भाधान तकनीक

4.3 सुअर

क) आधुनिक अवसंरचना के साथ सुअर प्रजनन फार्म

ख) आधुनिक तकनीक और एकीकृत उत्पादन तंत्र के साथ फैटनिंग फार्म

ग) सुअर के लिए वीर्य स्टेशन और कृत्रिम गर्भाधान तकनीक

4.4 पेरेंट और ग्रेंडपेरेंट पशुधन की खरीद सहित तकनीकी रूप से सहायता प्राप्त (आधुनिक तकनीक आधारित एकीकृत / उन्नत कुक्कुट फॉर्म) कुक्कुट फार्म

क) पर्यावरण नियंत्रित सुविधा के साथ हैचरीज

ख) पर्यावरण नियंत्रित सुविधा के साथ लेयर फार्म

ग) पर्यावरण नियंत्रित सुविधा के साथ ब्रॉयलर ब्रीडर फार्म

4.5 पशु चिकित्सा निदान प्रयोगशाला (गैर–ओआईई अनुपालक रोग) की स्थापना / सुदृढ़ीकरण और संबंधित कार्यकलाप जैसा कि 1 (च) से (छ) में उल्लिखित हैं

5. पशु अपशिष्ट से संपत्ति प्रबंधन (कृषि– अपशिष्ट प्रबंधन)

5.1 पशु अपशिष्ट प्रबंधन (कृषि–अपशिष्ट प्रबंधन सहित)

पशु अपशिष्ट प्रबंधन (कृषि– अपशिष्ट प्रबंधन सहित) से संबंधित सभी अवसरंचना

क) पीआरओएम (फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद) का उत्पादन

ख) बायो–सीएनजी का उत्पादन

ग) पशु / कृषि अपशिष्ट से लिग्निन निष्कर्षण तकनीक सहित कृषि और पशु अपशिष्ट प्रबंधन के नवाचारी / आधुनिक तरीके

घ) कृषि / पशु अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कोई अन्य अवसंरचना

5.2 गोबर / गोमूत्र उत्पादन के लिए अवसंरचना विकास

गोबर और गोमूत्र संग्रहण के लिए उपकरण :

क) ड्रम्स, फिलर्स, टैंक्स, कंटेनर्स आदि की लागत

ख) मूत्र का संग्रहण, संग्रहण शेड्, तरल खाद और जैविक कीटनाशी के रूप में उपयोग के लिए बेहतर गोपशु शेडों में गोपशुओं के मूत्र का संग्रहण

ग) गोबर के प्रसंस्करण के लिए शेडों का निर्माण

घ) गोबर और उसके उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक सभी मशीनरी

ङ) गोबर के लिए गढ्डों और मूत्र के लिए टैंकों का निर्माण

5.3 विपणन : इस घटक में विनिर्मित उत्पादों का विपणन भी शामिल है और निम्नलिखित उपकरणों के लिए वित्तीय सहायता दी जा सकती है :

क) प्रसंस्करण / विपणन केंद्रों का निर्माण

ख) मापन / पैकेजिंग / लेबलिंग सुविधाएं

ग) मोबाइल विपणन इकाई की लागत

टिप्पणियाँ

क्रेडिट, विस्तार और प्रचार प्रभाग
पशुपालन और डेयरी विभाग
भारत सरकार द्वारा प्रकाशित

विस्तृत विवरण के लिए हमारी वेबसाइट www.dahd.nic.in
या www.nlm.udyamimitra.in देखें
या राज्य पशुपालन विभाग से संपर्क करें।

विवरण के लिए
क्यू आर कोड स्कैन करें

सत्यमेव जयते

पशुपालन और डेयरी विभाग
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
भारत सरकार